Need to recognise the Indian Ball Badminton Association

-

श्री सुधाकर सिंह **(**बक्सर**) :** माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक गंभीर और उपेक्षित विभाग की ओर आकर्षित कराना चाहता हूं, जो हमारे देश की खेल नीतियों, न्याय व्यवस्था और युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है । भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ वर्ष 1954 में स्थापित हुआ था । ? (व्यवधान) वर्ष 1959 से लेकर 2021 तक वह भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त खेल महासंघ था । यह खेल आज भी स्कूलों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यायलों के स्तर पर खेला जाता है । लाखों युवा इससे जुड़े हुए हैं । अफसोस की बात यह है कि एक पारंपरिक और देसी खेल, जिसे दशकों से सरकारी मान्यता प्राप्त थी, उसे अब अनावश्यक बहानेबाजी, नौकरशाही अड़चनें और नीति-निर्माण की अस्पष्टता के कारण दरकिनार किया जा रहा है । ? (व्यवधान)

माननीय सभापति महोदय, यह सत्य है कि दो एकल न्यायधीशों ने अपने आदेशों में यह स्पष्ट किया था कि बॉल बैडमिंटन संघ को मान्यता दी जाए और सरकार को उसकी प्रक्रिया के अनुसार कार्य करना चाहिए । ? (व्यवधान) यह भी सत्य है कि न्यायिक आदेशों को चुनौती देने वाली अपीलों में भी अदालत ने यह दोहराया है कि दोनों एकल न्यायाधीशों के आदेशों का पालन किया जाना चाहिए । ? (व्यवधान) सरकार ने 10 जुलाई, 2024 को महासंघ से अतिरिक्त जानकारी मांगी थी, जो जानकारी महासंघ द्वारा समय-समय पर उपलब्ध करा दी गई है । इसके बावजूद अभी तक मान्यता नवीनीकरण नहीं हुआ है और न ही कोई स्पष्ट नीति बनाई गई है । जबकि वर्ष 2022 में टेनिस बॉल क्रिकेट, साइकिल पोलो, खोखो और टेनिस बॉल जैसे कई स्वदेशी खेलों को मान्यता दी गई है । यह दोहरा मापदंड आखिर क्यों है? ? (व्यवधान)

क्या बॉल बैडमिंटन के साथ भेदभाव इसलिए हो रहा है, क्योंकि यह ग्रामीण भारतीय और गरीब वर्गों के बीच में लोकप्रिय है? मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि भारतीय बॉल बैडमिंटन महासंघ की मान्यता को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जाए । ? (व्यवधान) न्यायिक आदेशों का सम्मान करते हुए, उचित प्रक्रिया से इसे राष्ट्रीय खेल नीति में पुनः शामिल किया जाए । भविष्य में पारंपरिक खेलों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो, उसके लिए एक स्पष्ट नीति बनाई जाए । ? (व्यवधान)